1. काँटों में राह बनाते हैं

प्रत्येक मनुष्य के जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं। हमें कठिनाइयों से भयभीत नहीं होना चाहिए, बल्कि धैर्यपूर्वक उनका सामना करना चाहिए जो मनुष्य अपने धैर्य एवं विवेक से काम करता है, वही विजय प्राप्त करता है।

सच है विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है।
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते।
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

है कौन विघ्न ऐसा जग में,
टिक सके आदमी के मग में।
ख़म ठोक ठेलता है जब नर,
पर्वत के जाते पाँव उखड़।
मानव जब ज़ोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है।

गुण बड़े एक से एक प्रखर,
हैं छिपे मानवों के भीतर
मेंहदी में जैसे लाली हो,
वर्तिका बीच उजियाली हो।
बत्ती जो नहीं जलाता है,
रोशनी नहीं वह पाता है।

–श्री रामधारी सिंह 'दिनकर'